

को आतंकी जमीशा मुखिन की कोयंबटूर में कार्रवाई हुई थी। इस मामले में पकड़े गए पांच आरोपितों को 16 मार्च तक एनआइए की हिरासत में सौंप दिया।

www.jagran.com

राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

रविवार

12 मार्च, 2023

माधव कौशिक साहित्य अकादमी के अध्यक्ष निर्वाचित, कुमुद शर्मा बनीं उपाध्यक्ष

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

हिंदी के लेखक और प्रसिद्ध गजलकार माधव कौशिक साहित्य अकादमी के नए अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। उन्होंने कन्नड़ के लेखक मल्लैपुरम को पच्चीस वोटों के अंतर से मात दी। दिल्ली विश्वविद्यालय की हिंदी विभाग की अध्यक्ष कुमुद शर्मा ने एक वोट से मलयालम के लेखक सी राधाकृष्णन को पराजित किया। अध्यक्ष पद पर निर्वाचन के बाद दैनिक जागरण से बातचीत में माधव कौशिक ने कहा कि साहित्य अकादमी का चुनाव आम चुनाव से अलग होता है। इसमें न कोई हारता है और न कोई जीतता है। इसमें सिर्फ साहित्य की जीत होती है। कुमुद शर्मा साहित्य अकादमी के करीब 70 साल के इतिहास में चुनाव जीतकर उपाध्यक्ष बनने वाली पहली महिला हैं। अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव होने के बाद चौबीस भाषाओं के संयोजकों का चुनाव भी हुआ। हिंदी के संयोजक मध्यप्रदेश के वरिष्ठ लेखक गोविन्द मिश्र निर्वाचित हुए। सभी भाषा के निर्वाचित संयोजकों से ही साहित्य अकादमी की कार्यकारिणी का गठन होता है। अध्यक्ष के चुनाव में साहित्य अकादमी की आमसभा के 99 सदस्य वोट डालते हैं। इन सदस्यों में केंद्र, राज्य, केंद्र शासित प्रदेशों और

साहित्य अकादमी का छह दिवसीय साहित्योत्सव शुरू, 24 भारतीय भाषाओं के लेखक हुए पुरस्कृत



माधव कौशिक।

कुमुद शर्मा

विश्वविद्यालयों से प्रतिनिधि चुनकर आते हैं। भाषा के लेखकों का प्रतिनिधित्व भी होता है। प्रत्येक पांच साल पर साहित्य अकादमी के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और संयोजकों का चुनाव होता है।

साहित्य अकादमी के चुनाव के पहले केंद्रीय संस्कृति राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने अकादमी की छह दिवसीय साहित्य उत्सव में प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस मौके पर मेघवाल ने कहा कि हमें समाज में ऐसी सकारात्मकता पैदा करनी है, जिससे हमारा देश विकासशील की जगह विकसित राष्ट्र की पदवी पा सके। उन्होंने प्राचीन संत कवियों कबीर व गुरु नानक तिरुवल्लुवर का उदाहरण देते हुए कहा कि यह संत केवल कवि

नहीं, बल्कि बड़ी सोच और व्यापक दृष्टि के साहित्यकार थे, जिन्होंने हमें प्रकृति से प्यार करना सिखाया।

शाम को कमाना सभागार में साहित्य अकादमी के नवनिर्वाचित अध्यक्ष माधव कौशिक ने अकादमी पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया। हिंदी के लिए कवि बद्रीनारायण के सम्मानित किया गया। उनके अलावा अनुराधा राय (अंग्रेजी), मनोज कुमार गोस्वामी (असमिया), तपन ब्रह्मोपाध्याय (बांग्ला), रश्मि चौधुरी (बोडो), वीणा गुप्ता (डोगरी), गुलाममोहम्मद शेख (गुजराती), मुडनाकुडु चिन्नास्वामी (कन्नड़), फारूक फैयाज (कश्मीरी), माया अनिल खंरगटे (कोंकणी), अजित आजाद (मैथिली), एम. थामस मैथ्यू (मलयालम), कोइजम शांतिबाला (मणिपुरी), प्रवीण दशरथ बांदेकर (मराठी), केबी. नेपाली (नेपाली), गायत्रीबाला पंडा (सुखजीत (पंजाबी), जर्नादन प्रसाद पाण्डेय 'मणि' (संस्कृत), काजली सोरेन 'जगन्नाथ सोरेन' (संताली), कन्हैयालाल लेखवाणी (सिंधी), एम. राजेंद्रन (तमिल), मधुरांतकम नरेंद्र (तेलुगु), अनीस अशफ़ाक़ (उर्दू) शामिल हैं। वहीं कमल रंगा (राजस्थानी) पुरस्कार ग्रहण करने नहीं आ सके।